Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 25 August 2024

Dainik Jagran
Page - 04, 06

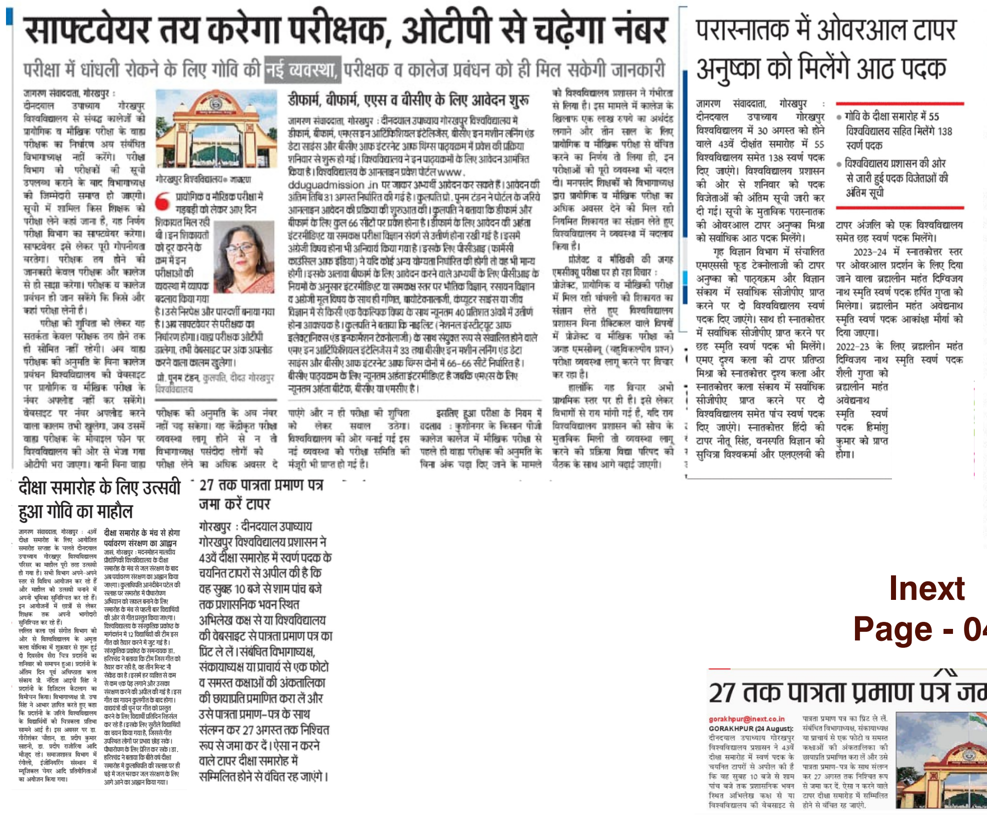

साफ्टवेयर तय करेगा परीक्षक, ओटीपी से चढ़ेगा नंबर

परीक्षा में धांधली रोकने के लिए गोवि की नई व्यवस्था, परीक्षक व कालेज प्रबंधन को ही मिल सकेगी जानकारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों की प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा के वाह्य परीक्षक का निर्धारण अब संबंधित विभागाध्यक्ष नहीं करेंगे। परीक्षा विभाग को परीक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के बाद विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी समाप्त हो जाएगी। सूची में शामिल किस शिक्षक को परीक्षा लेने कहां जाना है, यह निर्णय परीक्षा विभाग का साफ्टवेयर करेगा। साफ्टवेयर इसे लेकर पूरी गोपनीयता बरतेगा। परीक्षक तय होने की जानकारी केवल परीक्षक और कालेज से ही साझा करेगा। परीक्षक व कालेज प्रबंधन ही जान सकेंगे कि किसे और कहां परीक्षा लेनी है।

परीक्षा की शुचिता को लेकर यह सतर्कता केवल परीक्षक तय होने तक ही सीमित नहीं रहेगी। अब वाह्य परीक्षक की अनुमति के बिना कालेज प्रबंधन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा के नंबर अपलोड नहीं कर सकेंगे। वेबसाइट पर नंबर अपलोड करने वाला कालम तभी खुलेगा, जब उसमें वाह्य परीक्षक के मोबाइल फोन पर विश्वविद्यालय की ओर से भेजा गया ओटीपी भरा जाएगा। यानी बिना वाह्य परीक्षक की अनुमति के अब नंबर नहीं चढ़ सकेगा। यह केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था लागू होने से न तो विभागाध्यक्ष पसंदीदा लोगों को परीक्षा लेने का अधिक अवसर दे पाएंगे और न ही परीक्षा की शुचिता को लेकर सवाल उठेगा। विश्वविद्यालय की ओर बनाई गई इस नई व्यवस्था को परीक्षा समिति की मंजूरी भी प्राप्त हो गई है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ● जागरण

प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर आए दिन शिकायत मिल रही थी। इन शिकायतों को दूर करने के क्रम में इन परीक्षाओं की व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया गया है। उसे निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया गया है। अब साफ्टवेयर से परीक्षक का निर्धारण होगा। वाह्य परीक्षक ओटीपी डालेगा, तभी वेबसाइट पर अंक अपलोड करने वाला कालम खुलेगा।
प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

इसलिए हुआ परीक्षा के नियम में बदलाव : कुशीनगर के किसान पीजी कालेज कालेज में मौखिक परीक्षा से पहले ही वाह्य परीक्षक की अनुमति के बिना अंक चढ़ा दिए जाने के मामले को विश्वविद्यालय प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में कालेज के खिलाफ एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाने और तीन साल के लिए प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा से वंचित करने का निर्णय तो लिया ही, इन परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था भी बदल दी। मनपसंद शिक्षकों को विभागाध्यक्ष द्वारा प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा का अधिक अवसर देने की मिल रही नियमित शिकायत का संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय ने व्यवस्था में बदलाव किया है।

प्रोजेक्ट व मौखिकी की जगह एमसीक्यू परीक्षा पर हो रहा विचार : प्रोजेक्ट, प्रायोगिक व मौखिकी परीक्षा में मिल रही धांधली की शिकायत का संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन बिना प्रैक्टिकल वाले विषयों में प्रोजेक्ट व मौखिक परीक्षा की जगह एमसीक्यू (बहुविकल्पीय प्रश्न) परीक्षा व्यवस्था लागू करने पर विचार कर रहा है।

हालांकि यह विचार अभी प्राथमिक स्तर पर ही है। इसे लेकर विभागों से राय मांगी गई है, यदि राय विश्वविद्यालय प्रशासन की सोच के मुताबिक मिली तो व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया विद्या परिषद की बैठक के साथ आगे बढ़ाई जाएगी।

डीफार्म, बीफार्म, एमएस व बीसीए के लिए आवेदन शुरू

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में डीफार्म, बीफार्म, एमएस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस और बीसीए आफ इंटरनेट आफ थिंग्स पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई। विश्वविद्यालय ने इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। विश्वविद्यालय के आनलाइन प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर जाकर अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने पोर्टल के जरिये आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया की शुरुआत की। कुलपति ने बताया कि डीफार्म और बीफार्म के लिए कुल 66 सीटों पर प्रवेश होना है। डीफार्म के लिए आवेदन की अर्हता इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा विज्ञान वर्ग से उत्तीर्ण होना रखी गई है। इसमें अंग्रेजी विषय होना भी अनिवार्य किया गया है। इसके लिए पीसीआइ (फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया) ने यदि कोई अन्य योग्यता निर्धारित की होगी तो वह भी मान्य होगी। इसके अलावा बीफार्म के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के लिए पीसीआइ के नियमों के अनुसार इंटरमीडिएट या समकक्ष स्तर पर भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व अंग्रेजी मूल विषय के साथ ही गणित, बायोटेक्नालोजी, कंप्यूटर साइंस या जीव विज्ञान में से किसी एक वैकल्पिक विषय के साथ न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कुलपति ने बताया कि नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इन्फार्मेशन टेक्नालोजी) के साथ संयुक्त रूप से संचालित होने वाले एमएस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 33 तथा बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस और बीसीए आफ इंटरनेट आफ थिंग्स दोनों में 66-66 सीटें निर्धारित हैं। बीसीए पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट है जबकि एमएस के लिए न्यूनतम अर्हता बीटेक, बीसीए या एमसीए है।

परास्नातक में ओवरआल टापर अनुष्का को मिलेंगे आठ पदक

- गोवि के दीक्षा समारोह में 55 विश्वविद्यालय सहित मिलेंगे 138 स्वर्ण पदक
- विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी हुई पदक विजेताओं की अंतिम सूची

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह में 55 विश्वविद्यालय समेत 138 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से शनिवार को पदक विजेताओं की अंतिम सूची जारी कर दी गई। सूची के मुताबिक परास्नातक की ओवरआल टापर अनुष्का मिश्रा को सर्वाधिक आठ पदक मिलेंगे।

गृह विज्ञान विभाग में संचालित एमएससी फूड टेक्नोलाजी की टापर अनुष्का को पाठ्यक्रम और विज्ञान संकाय में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर दो विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। साथ ही स्नातकोत्तर में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर छह स्मृति स्वर्ण पदक भी मिलेंगे। एमए दृश्य कला की टापर प्रतिष्ठा मिश्रा को स्नातकोत्तर दृश्य कला और स्नातकोत्तर कला संकाय में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर दो विश्वविद्यालय समेत पांच स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। स्नातकोत्तर हिंदी की टापर नीतू सिंह, वनस्पति विज्ञान की सुचित्रा विश्वकर्मा और एलएलबी की टापर अंजलि को एक विश्वविद्यालय समेत छह स्वर्ण पदक मिलेंगे।

2023-24 में स्नातकोत्तर स्तर पर ओवरआल प्रदर्शन के लिए दिया जाने वाला ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ स्मृति स्वर्ण पदक हर्षित गुप्ता को मिलेगा। ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति स्वर्ण पदक आकांक्षा मौर्या को दिया जाएगा। 2022-23 के लिए ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ स्मृति स्वर्ण पदक शैली गुप्ता को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति स्वर्ण पदक हिमांशु कुमार को प्राप्त होगा।

दीक्षा समारोह के लिए उत्सवी हुआ गोवि का माहौल

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : 43वें दीक्षा समारोह के लिए आयोजित समारोह सप्ताह के चलते दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर का माहौल पूरी तरह उत्सवी हो गया है। सभी विभाग अपने-अपने स्तर से विविध आयोजन कर रहे हैं और माहौल को उत्सवी बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं। इन आयोजनों में छात्रों से लेकर शिक्षक तक अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।
ललित कला एवं संगीत विभाग की ओर से विश्वविद्यालय के अमृता कला वीथिका में शुक्रवार से शुरू हुई दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी का शनिवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी के अंतिम दिन पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. नंदिता आइपी सिंह ने प्रदर्शनी के डिजिटल कैटलाग का विमोचन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के जरिये विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतिभा सामने आई है। इस अवसर पर डा. गौरीशंकर चौहान, डा. प्रदीप कुमार साहनी, डा. प्रदीप राजोरिया आदि मौजूद रहे। समाजशास्त्र विभाग में रंगोली, इंजीनियरिंग संस्थान में म्यूजिकल चेयर आदि प्रतियोगिताओं का अयोजन किया गया।

दीक्षा समारोह के मंच से होगा पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जासं, गोरखपुर : मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के मंच से जल संरक्षण के बाद अब पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया जाएगा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की सलाह पर समारोह में पौधारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए समारोह के मंच से पहली बार विद्यार्थियों की ओर से गीत प्रस्तुत किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में 12 विद्यार्थियों की टीम इस गीत को तैयार करने में जुट गई है। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के समन्वयक डा. हरिश्चंद्र ने बताया कि टीम जिस गीत को तैयार कर रही है, वह तीन मिनट नौ सेकेंड का है। इसमें हर व्यक्ति से कम से कम एक पेड़ लगाने और उसका संरक्षण करने की अपील की गई है। इस गीत का गायन कुलगीत के बाद होगा। वाद्ययंत्रों की धुन पर गीत को प्रस्तुत करने के लिए विद्यार्थी प्रतिदिन रिहर्सल कर रहे हैं। इसके लिए सुरीले विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिससे गीत उपस्थित लोगों पर प्रभाव छोड़ सके। पौधारोपण के लिए प्रेरित कर सके। डा. हरिश्चंद्र ने बताया कि बीते वर्ष दीक्षा समारोह में कुलाधिपति की सलाह पर ही घड़े में जल भरकर जल संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया गया।

27 तक पात्रता प्रमाण पत्र जमा करें टापर

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 43वें दीक्षा समारोह में स्वर्ण पदक के चयनित टापरों से अपील की है कि वह सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक प्रशासनिक भवन स्थित अभिलेख कक्ष से या विश्वविद्यालय की वेबसाइट से पात्रता प्रमाण पत्र का प्रिंट ले लें। संबंधित विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष या प्राचार्य से एक फोटो व समस्त कक्षाओं की अंकतालिका की छायाप्रति प्रमाणित करा लें और उसे पात्रता प्रमाण-पत्र के साथ संलग्न कर 27 अगस्त तक निश्चित रूप से जमा कर दें। ऐसा न करने वाले टापर दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने से वंचित रह जाएंगे।

Amar Ujala
Page - 08

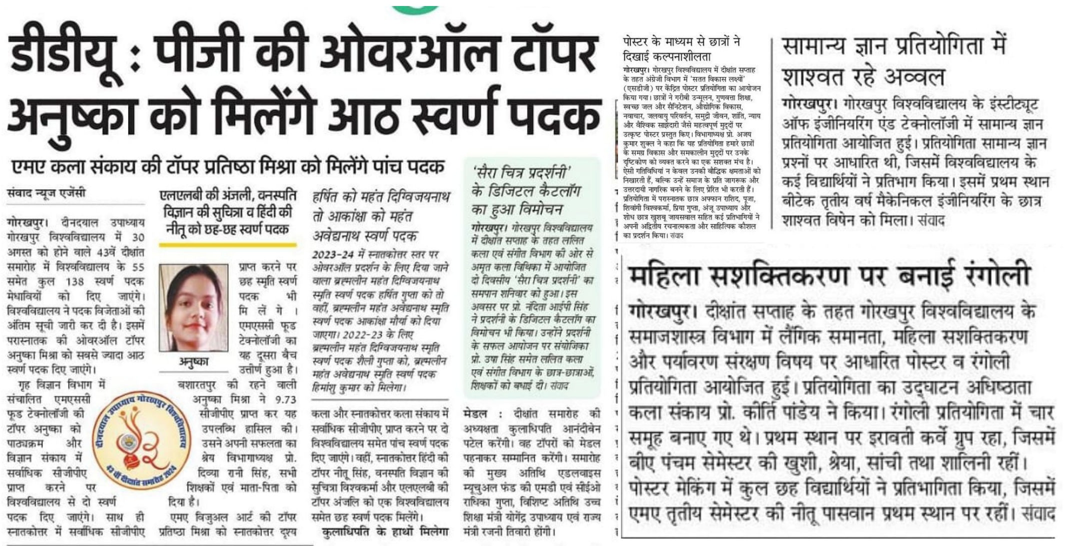

डीडीयू : पीजी की ओवरऑल टॉपर अनुष्का को मिलेंगे आठ स्वर्ण पदक

एमए कला संकाय की टॉपर प्रतिष्ठा मिश्रा को मिलेंगे पांच पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 55 समेत कुल 138 स्वर्ण पदक मेधावियों को दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने पदक विजेताओं की अंतिम सूची जारी कर दी है। इसमें परास्नातक की ओवरऑल टॉपर अनुष्का मिश्रा को सबसे ज्यादा आठ स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

गृह विज्ञान विभाग में संचालित एमएससी फूड टेक्नोलॉजी की टॉपर अनुष्का को पाठ्यक्रम और विज्ञान संकाय में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय से दो स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। साथ ही स्नातकोत्तर में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर छह स्मृति स्वर्ण पदक भी मिलेंगे। एमएससी फूड टेक्नोलॉजी का यह दूसरा बैच उत्तीर्ण हुआ है। बशारतपुर की रहने वाली अनुष्का मिश्रा ने 9.73 सीजीपीए प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। उसने अपनी सफलता का श्रेय विभागाध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह, सभी शिक्षकों एवं माता-पिता को दिया है।

एमए विजुअल आर्ट की टॉपर प्रतिष्ठा मिश्रा को स्नातकोत्तर दृश्य कला और स्नातकोत्तर कला संकाय में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर दो विश्वविद्यालय समेत पांच स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। वहीं, स्नातकोत्तर हिंदी की टॉपर नीतू सिंह, वनस्पति विज्ञान की सुचित्रा विश्वकर्मा और एलएलबी की टॉपर अंजलि को एक विश्वविद्यालय समेत छह स्वर्ण पदक मिलेंगे।

कुलाधिपति के हाथों मिलेगा मेडल : दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। वह टॉपरों को मेडल पहनाकर सम्मानित करेंगी। समारोह की मुख्य अतिथि एडलवाइस म्युचुअल फंड की एमडी एवं सीईओ राधिका गुप्ता, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं राज्य मंत्री रजनी तिवारी होंगी।

अनुष्का

एलएलबी की अंजली, वनस्पति विज्ञान की सुचित्रा व हिंदी की नीतू को छह-छह स्वर्ण पदक

हर्षित को महंत दिग्विजयनाथ तो आकांक्षा को महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक

2023-24 में स्नातकोत्तर स्तर पर ओवरऑल प्रदर्शन के लिए दिया जाने वाला ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति स्वर्ण पदक हर्षित गुप्ता को तो वहीं, ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति स्वर्ण पदक आकांक्षा मौर्या को दिया जाएगा। 2022-23 के लिए ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति स्वर्ण पदक शैली गुप्ता को, ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति स्वर्ण पदक हिमांशु कुमार को मिलेगा।

'सैरा चित्र प्रदर्शनी' के डिजिटल कैटलॉग का हुआ विमोचन

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के तहत ललित कला एवं संगीत विभाग की ओर से अमृत कला विथिका में आयोजित दो दिवसीय 'सैरा चित्र प्रदर्शनी' का समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर प्रो. नंदिता आईपी सिंह ने प्रदर्शनी के डिजिटल कैटलॉग का विमोचन भी किया। उन्होंने प्रदर्शनी के सफल आयोजन पर संयोजिका प्रो. उषा सिंह समेत ललित कला एवं संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों को बधाई दी। संवाद

पोस्टर के माध्यम से छात्रों ने दिखाई कल्पनाशीलता

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के तहत अंग्रेजी विभाग में 'सतत विकास लक्ष्यों' (एसडीजी) पर केंद्रित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने गरीबी उन्मूलन, गुणवत्ता शिक्षा, स्वच्छ जल और सैनिटेशन, औद्योगिक विकास, नवाचार, जलवायु परिवर्तन, समुद्री जीवन, शांति, न्याय और वैश्विक साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुत किए। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने कहा कि यह प्रतियोगिता हमारे छात्रों के समग्र विकास और समकालीन मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण को व्यक्त करने का एक सशक्त मंच है। ऐसी गतिविधियां न केवल उनकी बौद्धिक क्षमताओं को निखारती हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करती हैं। प्रतियोगिता में परास्नातक छात्र अफ्फान राशिद, पूजा, शिवांगी विश्वकर्मा, प्रिया गुप्ता, अंजू उपाध्याय और शोध छात्र खुशबू जायसवाल सहित कई प्रतिभागियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया। संवाद

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शाश्वत रहे अव्वल

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता सामान्य ज्ञान प्रश्नों पर आधारित थी, जिसमें विश्वविद्यालय के कई विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान बीटेक तृतीय वर्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र शाश्वत विषेन को मिला। संवाद

महिला सशक्तिकरण पर बनाई रंगोली

गोरखपुर। दीक्षांत सप्ताह के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. कीर्ति पांडेय ने किया। रंगोली प्रतियोगिता में चार समूह बनाए गए थे। प्रथम स्थान पर इरावती कर्वे ग्रुप रहा, जिसमें बीए पंचम सेमेस्टर की खुशी, श्रेया, सांची तथा शालिनी रहीं। पोस्टर मेकिंग में कुल छह विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता किया, जिसमें एमए तृतीय सेमेस्टर की नीतू पासवान प्रथम स्थान पर रहीं। संवाद

Hindustan
Page - 09

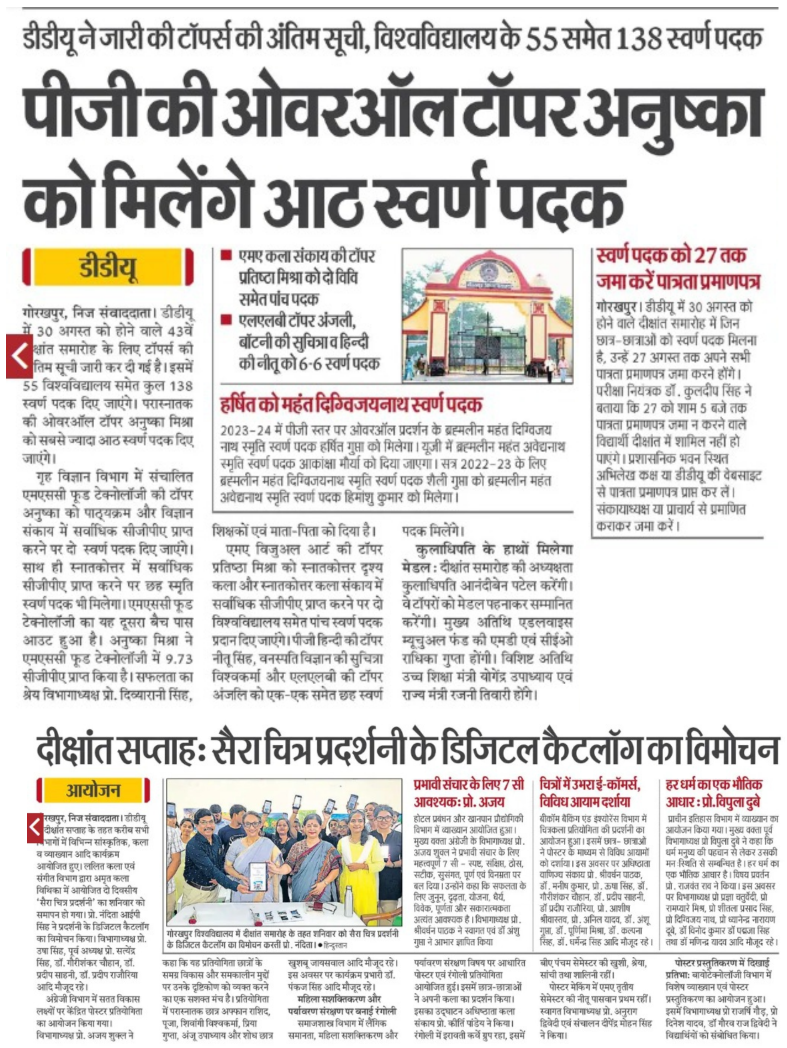

डीडीयू ने जारी की टॉपर्स की अंतिम सूची, विश्वविद्यालय के 55 समेत 138 स्वर्ण पदक

पीजी की ओवरऑल टॉपर अनुष्का को मिलेंगे आठ स्वर्ण पदक

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए टॉपर्स की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। इसमें 55 विश्वविद्यालय समेत कुल 138 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। परास्नातक की ओवरऑल टॉपर अनुष्का मिश्रा को सबसे ज्यादा आठ स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

गृह विज्ञान विभाग में संचालित एमएससी फूड टेक्नोलॉजी की टॉपर अनुष्का को पाठ्यक्रम और विज्ञान संकाय में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर दो स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। साथ ही स्नातकोत्तर में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर छह स्मृति स्वर्ण पदक भी मिलेगा। एमएससी फूड टेक्नोलॉजी का यह दूसरा बैच पास आउट हुआ है। अनुष्का मिश्रा ने एमएससी फूड टेक्नोलॉजी में 9.73 सीजीपीए प्राप्त किया है। सफलता का श्रेय विभागाध्यक्ष प्रो. दिव्यारानी सिंह, शिक्षकों एवं माता-पिता को दिया है।

एमए विजुअल आर्ट की टॉपर प्रतिष्ठा मिश्रा को स्नातकोत्तर दृश्य कला और स्नातकोत्तर कला संकाय में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर दो विश्वविद्यालय समेत पांच स्वर्ण पदक प्रदान दिए जाएंगे। पीजी हिन्दी की टॉपर नीतू सिंह, वनस्पति विज्ञान की सुचित्रा विश्वकर्मा और एलएलबी की टॉपर अंजलि को एक-एक समेत छह स्वर्ण पदक मिलेंगे।

कुलाधिपति के हाथों मिलेगा मेडल : दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। वे टॉपरों को मेडल पहनाकर सम्मानित करेंगी। मुख्य अतिथि एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी एवं सीईओ राधिका गुप्ता होंगी। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं राज्य मंत्री रजनी तिवारी होंगी।

- एमए कला संकाय की टॉपर प्रतिष्ठा मिश्रा को दो विवि समेत पांच पदक
- एलएलबी टॉपर अंजली, बॉटनी की सुचित्रा व हिन्दी की नीतू को 6-6 स्वर्ण पदक

हर्षित को महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक

2023-24 में पीजी स्तर पर ओवरऑल प्रदर्शन के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ स्मृति स्वर्ण पदक हर्षित गुप्ता को मिलेगा। यूजी में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति स्वर्ण पदक आकांक्षा मौर्या को दिया जाएगा। सत्र 2022-23 के लिए ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति स्वर्ण पदक शैली गुप्ता को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति स्वर्ण पदक हिमांशु कुमार को मिलेगा।

स्वर्ण पदक को 27 तक जमा करें पात्रता प्रमाणपत्र

गोरखपुर। डीडीयू में 30 अगस्त को होने वाले दीक्षांत समारोह में जिन छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलना है, उन्हें 27 अगस्त तक अपने सभी पात्रता प्रमाणपत्र जमा करने होंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि 27 को शाम 5 बजे तक पात्रता प्रमाणपत्र जमा न करने वाले विद्यार्थी दीक्षांत में शामिल नहीं हो पाएंगे। प्रशासनिक भवन स्थित अभिलेख कक्ष या डीडीयू की वेबसाइट से पात्रता प्रमाणपत्र प्राप्त कर लें। संकायाध्यक्ष या प्राचार्य से प्रमाणित कराकर जमा करें।

दीक्षांत सप्ताह: सैरा चित्र प्रदर्शनी के डिजिटल कैटलॉग का विमोचन

आयोजन

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में दीक्षांत सप्ताह के तहत करीब सभी विभागों में विभिन्न सांस्कृतिक, कला व व्याख्यान आदि कार्यक्रम आयोजित हुए। ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा अमृत कला विथिका में आयोजित दो दिवसीय 'सैरा चित्र प्रदर्शनी' का शनिवार को समापन हो गया। प्रो. नंदिता आईपी सिंह ने प्रदर्शनी के डिजिटल कैटलॉग का विमोचन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. उषा सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रो. सत्येंद्र सिंह, डॉ. गौरीशंकर चौहान, डॉ. प्रदीप साहनी, डॉ. प्रदीप राजौरिया आदि मौजूद रहे।

अंग्रेजी विभाग में सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों के समग्र विकास और समकालीन मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण को व्यक्त करने का एक सशक्त मंच है। प्रतियोगिता में परास्नातक छात्र अफ्फान राशिद, पूजा, शिवांगी विश्वकर्मा, प्रिया गुप्ता, अंजू उपाध्याय और शोध छात्र खुशबू जायसवाल आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पंकज सिंह आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के तहत शनिवार को सैरा चित्र प्रदर्शनी के डिजिटल कैटलॉग का विमोचन करतीं प्रो. नंदिता। ● हिन्दुस्तान

प्रभावी संचार के लिए 7 सी आवश्यक: प्रो. अजय

होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी विभाग में व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने प्रभावी संचार के लिए महत्वपूर्ण 7 सी - स्पष्ट, संक्षिप्त, ठोस, सटीक, सुसंगत, पूर्ण एवं विनम्रता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए जुनून, दृढ़ता, योजना, धैर्य, विवेक, पूर्णता और सकारात्मकता अत्यंत आवश्यक है। विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीवर्धन पाठक ने स्वागत एवं डॉ अंशु गुप्ता ने आभार ज्ञापित किया

महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण पर बनाई रंगोली

समाजशास्त्र विभाग में लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसका उद्घाटन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. कीर्ति पांडेय ने किया। रंगोली में इरावती कर्वे ग्रुप रहा, इसमें बीए पंचम सेमेस्टर की खुशी, श्रेया, सांची तथा शालिनी रहीं। पोस्टर मेकिंग में एमए तृतीय सेमेस्टर की नीतू पासवान प्रथम रहीं। स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी एवं संचालन दीपेंद्र मोहन सिंह ने किया।

चित्रों में उभरा ई-कॉमर्स, विविध आयाम दर्शाया

बीकॉम बैंकिंग एंड इंश्योरेंस विभाग में चित्रकला प्रतियोगिता की प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इसमें छात्र- छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से विविध आयामों को दर्शाया। इस अवसर पर अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय प्रो. श्रीवर्धन पाठक, डॉ. मनीष कुमार, प्रो. ऊषा सिंह, डॉ. गौरीशंकर चौहान, डॉ. प्रदीप साहनी, डॉ प्रदीप राजौरिया, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. अनिल यादव, डॉ. अंशु गुप्ता, डॉ. पूर्णिमा मिश्रा, डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

हर धर्म का एक भौतिक आधार : प्रो. विपुला दुबे

प्राचीन इतिहास विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो विपुला दुबे ने कहा कि धर्म मनुष्य की पहचान से लेकर उसकी मन:स्थिति से सम्बन्धित है। हर धर्म का एक भौतिक आधार है। विषय प्रवर्तन प्रो. राजवंत राव ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो प्रज्ञा चतुर्वेदी, प्रो रामप्यारे मिश्र, प्रो शीतला प्रसाद सिंह, प्रो दिग्विजय नाथ, प्रो ध्यानेन्द्र नारायण दुबे, डॉ विनोद कुमार डॉ पद्मजा सिंह तथा डॉ मणिन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

पोस्टर प्रस्तुतिकरण में दिखाई प्रतिभा: बायोटेक्नोलॉजी विभाग में विशेष व्याख्यान एवं पोस्टर प्रस्तुतिकरण का आयोजन हुआ। इसमें विभागाध्यक्ष प्रो राजर्षि गौड़, प्रो दिनेश यादव, डॉ गौरव राज द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

Inext
Page - 04

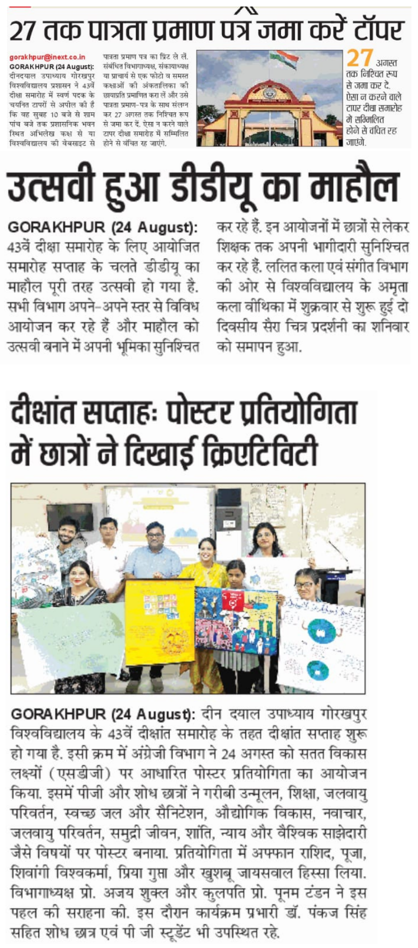

27 तक पात्रता प्रमाण पत्र जमा करें टॉपर

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (24 August): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 43वें दीक्षा समारोह में स्वर्ण पदक के चयनित टापरों से अपील की है कि वह सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक प्रशासनिक भवन स्थित अभिलेख कक्ष से या विश्वविद्यालय की वेबसाइट से पात्रता प्रमाण पत्र का प्रिंट ले लें। संबंधित विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष या प्राचार्य से एक फोटो व समस्त कक्षाओं की अंकतालिका की छायाप्रति प्रमाणित करा लें और उसे पात्रता प्रमाण-पत्र के साथ संलग्न कर 27 अगस्त तक निश्चित रूप से जमा कर दें। ऐसा न करने वाले टापर दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने से वंचित रह जाएंगे।

27 अगस्त तक निश्चित रूप से जमा कर दें. ऐसा न करने वाले टापर दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने से वंचित रह जाएंगे.

उत्सवी हुआ डीडीयू का माहौल

GORAKHPUR (24 August): 43वें दीक्षा समारोह के लिए आयोजित समारोह सप्ताह के चलते डीडीयू का माहौल पूरी तरह उत्सवी हो गया है. सभी विभाग अपने-अपने स्तर से विविध आयोजन कर रहे हैं और माहौल को उत्सवी बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं. इन आयोजनों में छात्रों से लेकर शिक्षक तक अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं. ललित कला एवं संगीत विभाग की ओर से विश्वविद्यालय के अमृता कला वीथिका में शुक्रवार से शुरू हुई दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी का शनिवार को समापन हुआ.

दीक्षांत सप्ताहः पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई क्रिएटिविटी

GORAKHPUR (24 August): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह के तहत दीक्षांत सप्ताह शुरू हो गया है. इसी क्रम में अंग्रेजी विभाग ने 24 अगस्त को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया. इसमें पीजी और शोध छात्रों ने गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ जल और सैनिटेशन, औद्योगिक विकास, नवाचार, जलवायु परिवर्तन, समुद्री जीवन, शांति, न्याय और वैश्विक साझेदारी जैसे विषयों पर पोस्टर बनाया. प्रतियोगिता में अफ्फान राशिद, पूजा, शिवांगी विश्वकर्मा, प्रिया गुप्ता और खुशबू जायसवाल हिस्सा लिया. विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल और कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस पहल की सराहना की. इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पंकज सिंह सहित शोध छात्र एवं पी जी स्टूडेंट भी उपस्थित रहे.

Danik Jagran - Gorakhpur Dehat

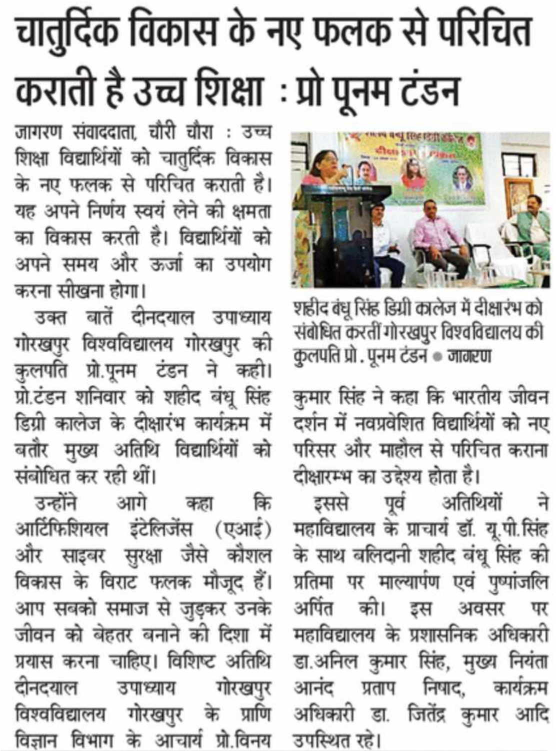

चातुर्दिक विकास के नए फलक से परिचित कराती है उच्च शिक्षा : प्रो पूनम टंडन

जागरण संवाददाता, चौरी चौरा : उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को चातुर्दिक विकास के नए फलक से परिचित कराती है। यह अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता का विकास करती है। विद्यार्थियों को अपने समय और ऊर्जा का उपयोग करना सीखना होगा।

उक्त बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहीं। प्रो.टंडन शनिवार को शहीद बंधू सिंह डिग्री कालेज के दीक्षारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने आगे कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे कौशल विकास के विराट फलक मौजूद हैं। आप सबको समाज से जुड़कर उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो.विनय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जीवन दर्शन में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को नए परिसर और माहौल से परिचित कराना दीक्षारम्भ का उद्देश्य होता है।

शहीद बंधू सिंह डिग्री कालेज में दीक्षारंभ को संबोधित करतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ● जागरण

इससे पूर्व अतिथियों ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू.पी.सिंह के साथ बलिदानी शहीद बंधू सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डा.अनिल कुमार सिंह, मुख्य नियंता आनंद प्रताप निषाद, कार्यक्रम अधिकारी डा. जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

Amar Ujala Select Page - 04

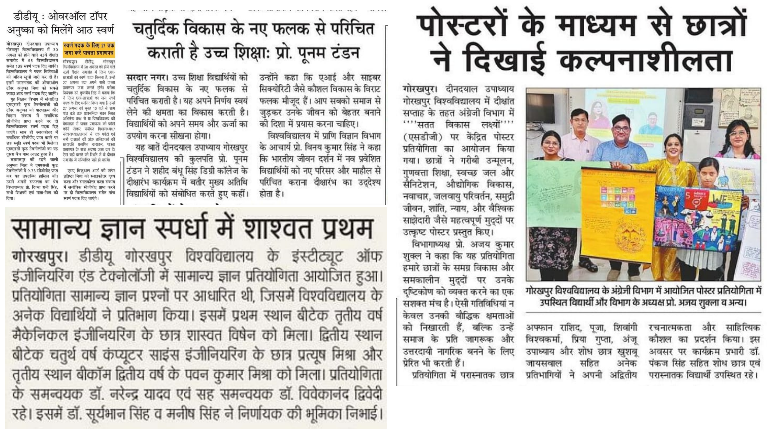

डीडीयू : ओवरऑल टॉपर अनुष्का को मिलेंगे आठ स्वर्ण

स्वर्ण पदक के लिए 27 तक जमा करें पात्रता प्रमाणपत्र

चतुर्दिक विकास के नए फलक से परिचित कराती है उच्च शिक्षा: प्रो. पूनम टंडन

सरदार नगर। उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को चतुर्दिक विकास के नए फलक से परिचित कराती है। यह अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता का विकास करती है। विद्यार्थियों को अपने समय और ऊर्जा का उपयोग करना सीखना होगा।

यह बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शहीद बंधू सिंह डिग्री कॉलेज के दीक्षारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि एआई और साइबर सिक्योरिटी जैसे कौशल विकास के विराट फलक मौजूद हैं। आप सबको समाज से जुड़कर उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

विश्वविद्यालय में प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. विनय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जीवन दर्शन में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को नए परिसर और माहौल से परिचित कराना दीक्षारंभ का उद्देश्य होता है।

सामान्य ज्ञान स्पर्धा में शाश्वत प्रथम

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित हुआ। प्रतियोगिता सामान्य ज्ञान प्रश्नों पर आधारित थी, जिसमें विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान बीटेक तृतीय वर्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र शाश्वत विषेन को मिला। द्वितीय स्थान बीटेक चतुर्थ वर्ष कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र प्रत्यूष मिश्रा और तृतीय स्थान बीकॉम द्वितीय वर्ष के पवन कुमार मिश्रा को मिला। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. नरेंद्र यादव एवं सह समन्वयक डॉ. विवेकानंद द्विवेदी रहे। इसमें डॉ. सूर्यभान सिंह व मनीष सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

पोस्टरों के माध्यम से छात्रों ने दिखाई कल्पनाशीलता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के तहत अंग्रेजी विभाग में ''''सतत विकास लक्ष्यों'''' (एसडीजी) पर केंद्रित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने गरीबी उन्मूलन, गुणवत्ता शिक्षा, स्वच्छ जल और सैनिटेशन, औद्योगिक विकास, नवाचार, जलवायु परिवर्तन, समुद्री जीवन, शांति, न्याय, और वैश्विक साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुत किए।

विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने कहा कि यह प्रतियोगिता हमारे छात्रों के समग्र विकास और समकालीन मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण को व्यक्त करने का एक सशक्त मंच है। ऐसी गतिविधियां न केवल उनकी बौद्धिक क्षमताओं को निखारती हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करती हैं।

प्रतियोगिता में परास्नातक छात्र अफ्फान राशिद, पूजा, शिवांगी विश्वकर्मा, प्रिया गुप्ता, अंजू उपाध्याय और शोध छात्र खुशबू जायसवाल सहित अनेक प्रतिभागियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पंकज सिंह सहित शोध छात्र एवं परास्नातक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यार्थी और विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला व अन्य।

Nispaksh Pratidin

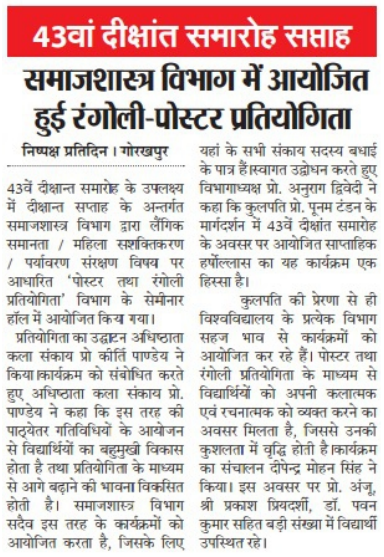

43वां दीक्षांत समारोह सप्ताह

समाजशास्त्र विभाग में आयोजित हुई रंगोली-पोस्टर प्रतियोगिता

निष्पक्ष प्रतिदिन । गोरखपुर

43वें दीक्षान्त समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा लैंगिक समानता / महिला सशक्तिकरण / पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित 'पोस्टर तथा रंगोली प्रतियोगिता' विभाग के सेमीनार हॉल में आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो कीर्ति पाण्डेय ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. पाण्डेय ने कहा कि इस तरह की पाठ्येतर गतिविधियों के आयोजन से विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास होता है तथा प्रतियोगिता के माध्यम से आगे बढ़ाने की भावना विकसित होती है। समाजशास्त्र विभाग सदैव इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करता है, जिसके लिए यहां के सभी संकाय सदस्य बधाई के पात्र हैं।स्वागत उद्बोधन करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि कुलपति प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक हर्षोल्लास का यह कार्यक्रम एक हिस्सा है।

कुलपति की प्रेरणा से ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग सहज भाव से कार्यक्रमों को आयोजित कर रहे हैं। पोस्टर तथा रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक एवं रचनात्मक को व्यक्त करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी कुशलता में वृद्धि होती है।कार्यक्रम का संचालन दीपेन्द्र मोहन सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. अंजू, श्री प्रकाश प्रियदर्शी, डॉ. पवन कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Hindustan- Gorakhpur Dehat

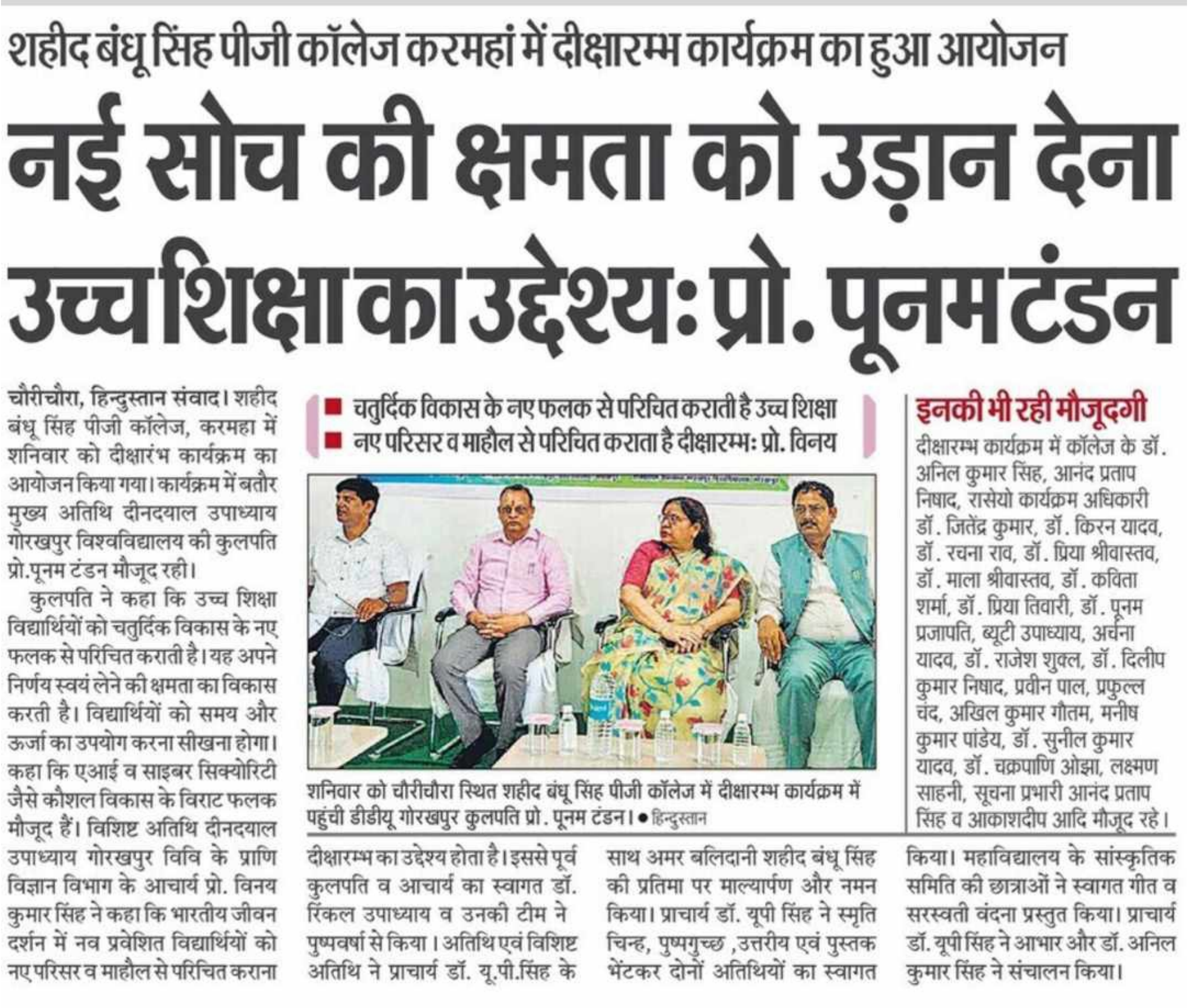

शहीद बंधू सिंह पीजी कॉलेज करमहां में दीक्षारम्भ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई सोच की क्षमता को उड़ान देना उच्च शिक्षा का उद्देश्य: प्रो. पूनम टंडन

- चतुर्दिक विकास के नए फलक से परिचित कराती है उच्च शिक्षा
- नए परिसर व माहौल से परिचित कराता है दीक्षारम्भः प्रो. विनय

चौरीचौरा, हिन्दुस्तान संवाद। शहीद बंधू सिंह पीजी कॉलेज, करमहा में शनिवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन मौजूद रही।

कुलपति ने कहा कि उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को चतुर्दिक विकास के नए फलक से परिचित कराती है। यह अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता का विकास करती है। विद्यार्थियों को समय और ऊर्जा का उपयोग करना सीखना होगा। कहा कि एआई व साइबर सिक्योरिटी जैसे कौशल विकास के विराट फलक मौजूद हैं। विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. विनय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जीवन दर्शन में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को नए परिसर व माहौल से परिचित कराना दीक्षारम्भ का उद्देश्य होता है। इससे पूर्व कुलपति व आचार्य का स्वागत डॉ. रिंकल उपाध्याय व उनकी टीम ने पुष्पवर्षा से किया। अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने प्राचार्य डॉ. यू.पी.सिंह के साथ अमर बलिदानी शहीद बंधू सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और नमन किया। प्राचार्य डॉ. यूपी सिंह ने स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ ,उत्तरीय एवं पुस्तक भेंटकर दोनों अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के सांस्कृतिक समिति की छात्राओं ने स्वागत गीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. यूपी सिंह ने आभार और डॉ. अनिल कुमार सिंह ने संचालन किया।

शनिवार को चौरीचौरा स्थित शहीद बंधू सिंह पीजी कॉलेज में दीक्षारम्भ कार्यक्रम में पहुंची डीडीयू गोरखपुर कुलपति प्रो. पूनम टंडन। ● हिन्दुस्तान

इनकी भी रही मौजूदगी

दीक्षारम्भ कार्यक्रम में कॉलेज के डॉ. अनिल कुमार सिंह, आनंद प्रताप निषाद, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. किरन यादव, डॉ. रचना राव, डॉ. प्रिया श्रीवास्तव, डॉ. माला श्रीवास्तव, डॉ. कविता शर्मा, डॉ. प्रिया तिवारी, डॉ. पूनम प्रजापति, ब्यूटी उपाध्याय, अर्चना यादव, डॉ. राजेश शुक्ल, डॉ. दिलीप कुमार निषाद, प्रवीन पाल, प्रफुल्ल चंद, अखिल कुमार गौतम, मनीष कुमार पांडेय, डॉ. सुनील कुमार यादव, डॉ. चक्रपाणि ओझा, लक्ष्मण साहनी, सूचना प्रभारी आनंद प्रताप सिंह व आकाशदीप आदि मौजूद रहे।

Swatantra Chetna
Page -02, 04, 05

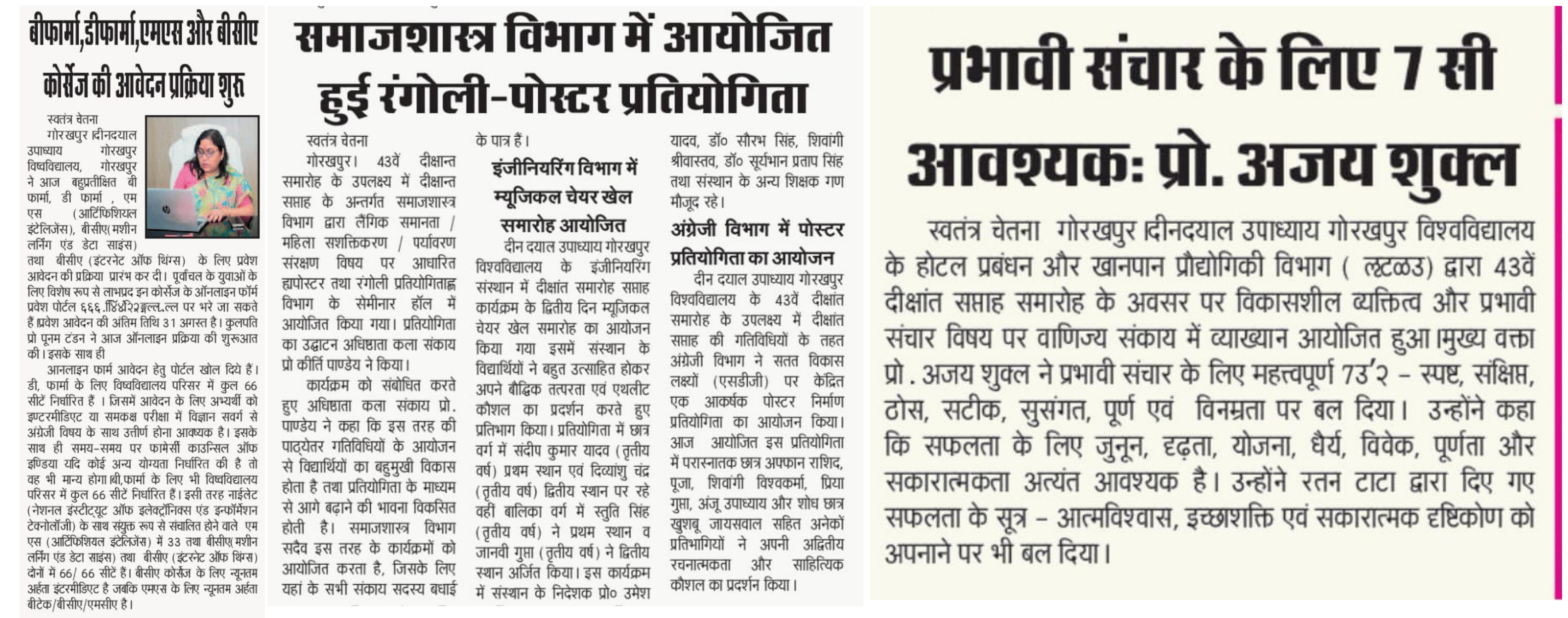

बीफार्मा,डीफार्मा,एमएस और बीसीए कोर्सेज की आवेदन प्रक्रिया शुरू

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर ।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विष्वविद्यालय, गोरखपुर ने आज बहुप्रतीक्षित बी फार्मा, डी फार्मा , एम एस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) के लिए प्रवेश आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। पूर्वांचल के युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभप्रद इन कोर्सेज के ऑनलाइन फॉर्म प्रवेश पोर्टल ६६६.ªिंªंिर२इल्ल.ल्ल पर भरे जा सकते हैं।प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने आज ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरूआत की। इसके साथ ही

आनलाइन फार्म आवेदन हेतु पोर्टल खोल दिये हैं। डी, फार्मा के लिए विष्वविद्यालय परिसर में कुल 66 सीटें निर्धारित हैं । जिसमें आवेदन के लिए अभ्यर्थी को इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में विज्ञान सवर्ग से अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना आवष्यक है। इसके साथ ही समय-समय पर फामेर्सी काउन्सिल ऑफ इण्डिया यदि कोई अन्य योग्यता निर्धारित की है तो वह भी मान्य होगा।बी,फार्मा के लिए भी विष्वविद्यालय परिसर में कुल 66 सीटें निर्धारित हैं। इसी तरह नाईलेट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) के साथ संयुक्त रूप से संचालित होने वाले एम एस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में 33 तथा बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) दोनों में 66/ 66 सीटें हैं। बीसीए कोर्सेज के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट है जबकि एमएस के लिए न्यूनतम अर्हता बीटेक/बीसीए/एमसीए है।

समाजशास्त्र विभाग में आयोजित हुई रंगोली-पोस्टर प्रतियोगिता

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर। 43वें दीक्षान्त समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा लैंगिक समानता / महिला सशक्तिकरण / पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित ह्यपोस्टर तथा रंगोली प्रतियोगिताह्ण विभाग के सेमीनार हॉल में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो कीर्ति पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. पाण्डेय ने कहा कि इस तरह की पाठ्येतर गतिविधियों के आयोजन से विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास होता है तथा प्रतियोगिता के माध्यम से आगे बढ़ाने की भावना विकसित होती है। समाजशास्त्र विभाग सदैव इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करता है, जिसके लिए यहां के सभी संकाय सदस्य बधाई के पात्र हैं।

इंजीनियरिंग विभाग में म्यूजिकल चेयर खेल समारोह आयोजित

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में दीक्षांत समारोह सप्ताह कार्यक्रम के द्वितीय दिन म्यूजिकल चेयर खेल समारोह का आयोजन किया गया इसमें संस्थान के विद्यार्थियों ने बहुत उत्साहित होकर अपने बौद्धिक तत्परता एवं एथलीट कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में संदीप कुमार यादव (तृतीय वर्ष) प्रथम स्थान एवं दिव्यांशु चंद्र (तृतीय वर्ष) द्वितीय स्थान पर रहे वहीं बालिका वर्ग में स्तुति सिंह (तृतीय वर्ष) ने प्रथम स्थान व जानवी गुप्ता (तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान अर्जित किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो० उमेश यादव, डॉ० सौरभ सिंह, शिवांगी श्रीवास्तव, डॉ० सूर्यभान प्रताप सिंह तथा संस्थान के अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे।

अंग्रेजी विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह की गतिविधियों के तहत अंग्रेजी विभाग ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर केंद्रित एक आकर्षक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। आज आयोजित इस प्रतियोगिता में परास्नातक छात्र अफ्फान राशिद, पूजा, शिवांगी विश्वकर्मा, प्रिया गुप्ता, अंजू उपाध्याय और शोध छात्र खुशबू जायसवाल सहित अनेकों प्रतिभागियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रभावी संचार के लिए 7 सी आवश्यकः प्रो. अजय शुक्ल

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर ।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी विभाग (ल्टळ3) द्वारा 43वें दीक्षांत सप्ताह समारोह के अवसर पर विकासशील व्यक्तित्व और प्रभावी संचार विषय पर वाणिज्य संकाय में व्याख्यान आयोजित हुआ ।मुख्य वक्ता प्रो . अजय शुक्ल ने प्रभावी संचार के लिए महत्त्वपूर्ण 73'२ - स्पष्ट, संक्षिप्त, ठोस, सटीक, सुसंगत, पूर्ण एवं विनम्रता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए जुनून, दृढ़ता, योजना, धैर्य, विवेक, पूर्णता और सकारात्मकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने रतन टाटा द्वारा दिए गए सफलता के सूत्र - आत्मविश्वास, इच्छाशक्ति एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाने पर भी बल दिया।